झारखण्ड सरकार
राश्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग

# प्रेस विज्ञप्ति

## लक्ष्य कार्यक्रम के अर्न्तगत स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या बढाई जाएः— निधि खरे,प्रधानसचिव,स्वास्थ्य

दिनांक 18/04/2018 को राज्य आर0 सी0 एच0 सभागार में **निधि खरे**, प्रधान सचिव,,स्वा0 चि0 शि0 एवं प0 क0 विभाग की अध्यक्षता मे State Mentoring Group – LaQshya की बैठक संपन्न हुआ । बैठक को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि राज्य में लक्ष्य कार्यक्रम के अर्न्तगत स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या बढाई जाए। वर्तमान में राज्य में 48 अस्पताल में यह कार्यक्रम चलाया जाना प्रस्तावित है। जिसे बढाकर 70 करने का निदश दिया गया।

प्रधान सचिव, ने बैठक में भाग ले रहे तीनो मेडिकल कॉलेज को निदश दिया कि लक्ष्य कार्यक्रम के अर्न्तगत गर्भवती महिलाओं को सम्मानपूर्ण मातृत्व सेवा उपलब्ध कराई जाए। उन्होनें कहा कि गंभीर एवं जटिल प्रसव को प्रसव पूर्व जॉच के दौरान पहचान कर उसकी सूची जिला अस्पताल या अन्य अस्पतालो में उपलब्ध कराई जाय जिससे गभवती महिलाओं को बेहतर सेवा मिल सके।

राज्य के जिन जिलो में अधिक प्रसव एवं सी0 सेक्शन हो रहे है, वहॉ High dependency unit और Obstetric ICU को शुरु करने को कहा। जिसका प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जाना है, जिसके अनुमोदन के उपरांत राज्य में इसे जल्द से जल्द शुरु किया जा सके।

बैठक में कृपा नन्द झा, अभियान निदशक,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने कहा कि लक्ष्य कार्यक्रम को कार्यान्वयन करने के लिए सभी कर्मी मिलकर टीम के रुप में कार्य करेग और इसका लाभ गर्भवती महिलाओं को पहुॅचाने के लिए पूरा प्रयास करेंगें।

गौरतलब है कि लक्ष्य कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्वकांक्षी योजना है। इसके अर्न्तगत प्रसूति कक्ष, एवं ऑपरशन थियेटर की गुणवत्ता को बढाना है। इसके अर्न्तगत छः तरह की सुविधाओं को भी बढाना हैं।

Partograph और डाक्यूमेंटेशन को बेंहतर करना , सम्मानपूर्ण मातृत्व सेवा प्रदान करना, गंभीर एवं जटिल प्रसव का उचित प्रबंधन करना, प्रोटोकॉल के अनुसार प्रसव कराना, नवजात शिशु को आपतकालीन सेवा प्रदान करना एवं इंफेक्शन से बचाव करना।

इस दौरान बैठक में डा0 सुमंत मिश्रा, निदेशक प्रमुख, स्वा0 सेवाऐ, डा0 जे0 पी0 सिंह, निदशक,स्वा0 सेवाऐ,डा0 वीणा सिन्हा, उपनिदेशक, स्वा0 सेवाऐ,डा0 यू0 के0 सिन्हा,उपनिदेशक,स्वा0 सेवाऐं तीनो मेडिकल कॉलेज के प्रतिनिधि, IPE Global, Unicef, Jhpiego के प्रतिनिधि ने भाग लिया।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग